Printed Pages – 2

PG-21240

M. A. (Final) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

(हिन्दी साहित्य)

Paper : Sixth

आधुनिक कथा साहित्य—(उपन्यास, कहानी संग्रह, नाटक)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 70

***नोट** : सभी प्रश्न अनिवार्य है।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 15

(अ) किसान पक्का स्वार्थी होता है, इसमे सन्देह नहीं। उसकी गाँठ से रिश्वत के पैसे बड़ी मुश्किल से निकलते हैं, भाव-ताव में भी वह चौकस होता है, ब्याज की एक-एक पाई छुड़ाने के लिए वह महाजन की घण्टों चिरौरी करता है, जब तक पक्का विश्वास न हो जाए, वह किसी के फुसलाने में नहीं आता, लेकिन उसका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति से स्थायी सहयोग है। वृक्षों में फल लगते हैं, उन्हें जनता खाती है, खेती में अनाज होता है, वह संसार के काम आता है, गाय के थन में दूध होता है, वह खुद पीने नहीं जाती, दूसरे ही पीते हैं, मेघों से वर्षा होती है, उससे पृथ्वी तृप्त होती है। ऐसी संगति में कुत्सित स्वार्थ के लिए कहाँ स्थान?

(ब) कोकिल वायस एक सम, पण्डित मूरख एक।
इन्द्रामन दाड़िम विषम, जहाँ न नेकु विवेकु॥
बसिये ऐसे देश नहिं, कनक वृष्टि जो होय।
रहिए तो दुख पाइए, प्रान दीजिए रोय॥

(स) मैं इस घर में एक रबड़-स्टैम्प भी नहीं, सिर्फ एक रबड़ का टुकड़ा हूँ। बार-बार घिसा जाने वाला रबड़ का टुकड़ा। इसके बाद क्या कोई मुझे वजह बता सकता है, एक भी ऐसी वजह, कि क्यों मुझे रहना चाहिए इस घर में?

(द) हाँ, बेटा बैकुण्ठ में जाएगी। किसी को सताया नहीं, किसी को दबाया नहीं। मरते-मरते हमारी ज़िन्दगी की सबसे बड़ी लालसा पूरी कर गई। वह न बैकुण्ठ जाएगी तो क्या ये मोटे-मोटे लोग जाएँगे, जो गरीबों को दोनों हाथों से लूटते हैं, और अपने पाप को धोने के लिए गंगा में नहाते हैं और मन्दिरों में जल चढ़ाते हैं।

(य) गजाधर बाबू ने कोट उतारा और कहीं टाँगने को दीवार पर नज़र दौड़ाई। फिर उसे मोड़कर, अलगनी के कुछ कपड़े खिसकाकर, एक किनारे टाँग दिए। वे कुछ खाए बिना ही अपनी चारपाई पर लेट गए। कुछ भी हो, तन आखिरकार बूढ़ा था। सुबह-शाम कुछ दूर टहलने अवश्य चले जाते थे, पर जाते-आते थक जाते थे।

2. ''गोदान कृषक जीवन की करुण कथा है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'अनामदास का पोथा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

3. आधे-अधूरे नाटक में अभिव्यक्त आधुनिक भाव-बोध को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

युग-यथार्थ का बोध कराने वाला अन्धेर नगरी एक श्रेष्ठ प्रहसन है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

4. 'कफन' कहानी के आधार पर माधव और घीसू का चरित्र-चित्रण कीजिए। 15

अथवा

कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'लालपान की बेगम' कहानी की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के संक्षेप में उत्तर दीजिए— 5×2=10

(i) 'गैंग्रीन' कहानी की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) बिरजू की माँ को 'लालपान की बेगम' क्यों कहा गया है?

(iii) 'गदल' कहानी के माध्यम से 'गदल' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iv) धर्मवीर भारतीय का साहित्यिक परिचय लिखिए।

(v) 'वापसी' कहानी के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवार की विवशताओं पर प्रकाश डालिए।

(vi) 'धनिया' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(vii) 'कफ़न' कहानी का उद्देश्य लिखिए।

(viii) 'आधे-अधूरे' नाटक की प्रमुख पात्र सावित्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ix) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के दो नाटकों के नाम लिखिए।

(x) प्रेमचन्द की प्रसिद्ध दो कहानियों के नाम लिखिए।